प्रधान मंत्री और लोक सभा अध्यक्ष के नेतृत्व में सांसदों ने महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 2 अक्तूबर, 2019 : प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी; लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला; केंद्रीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह; केंद्रीय रेल तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्री, श्री पीयूष गोयल; राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष, श्री गुलाम नबी आज़ाद; पूर्व उप प्रधान मंत्री, श्री लाल कृष्ण आडवाणी; भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की अन्तरिम अध्यक्ष, श्रीमती सोनिया गांधी; लोक सभा सदस्य, श्री राहुल गांधी; अनेक केंद्रीय मंत्रियों; राज्य मंत्रियों; संसद सदस्यों और विशिष्टजनों ने आज संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इससे पहले आज महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर संसद भवन परिसर में गांधीजी की प्रतिमा के पास एक समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने की। इस समारोह में अनेक केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री, संसद सदस्य, लोक सभा की महासचिव, श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव और अनेक अन्य विशिष्टजन शामिल हुए।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने कहा कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। श्री बिरला ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के शाश्वत सिद्धांतों को अपनाते हुए देश के स्वतन्त्रता आंदोलन का नेतृत्व किया जो आगे जाकर एक ऐसा जन आंदोलन बन गया जो अहिंसा पर आधारित था। श्री बिरला ने यह भी कहा कि महात्मा गांधी की सार्वभौमिक शिक्षाओं और उदात्त विचारों ने सभी भारतवासियों के जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है क्योंकि बापू के जीवन से मिली असंख्य शिक्षाओं से हमें जीवन जीने की एक नई दिशा और संकल्प मिला। श्री बिरला ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि महात्मा गांधी अपने-आप में एक संस्था हैं जिनका जीवन-दर्शन आस्था, आध्यात्मिकता और संस्कृति पर आधारित था और यही कारण है कि उनकी जयंती के दिन को प्रति वर्ष पूरे विश्व में 'अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि इस दिन, हमने प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत का लक्ष्य भी प्राप्त कर लिया है और अब हमें देश से सिंगल यूस प्लास्टिक के प्रयोग को समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए।

श्री बिरला ने पूर्व प्रधान मंत्री, श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनका स्मरण करते हुए कहा कि श्री शास्त्री ने देश के किसानों को स्वावलंबी बनाने के लिए अनथक प्रयास किए। उनके इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत अब खाद्य और कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गया है। उन्होने यह भी कहा कि प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी किसानों को स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। श्री बिरला ने संसद सदस्यों और देशवासियों को महात्मा गांधी की शिक्षाओं का अनुसरण करने और देश के निर्धनतम व्यक्ति के लिए शांति और न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आग्रह किया।

इससे पहले, इस अवसर पर बोलते हुए, संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री, श्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि संस्कृति मंत्रालय यह सुनिश्चित करेगा कि इस वर्ष 31 अक्तूबर तक सरदार पटेल की जयंती से पहले पूरे देश में सभी महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थलों पर सिंगल यूस प्लास्टिक पर प्रतिबंध लागू हो जाए।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा चरखा कातने का प्रदर्शन किया गया। श्री बिरला और अन्य विशिष्टजनों भी चरखा चलाया और महात्मा गांधी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सुविख्यात गायक और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित, मधुप मुद्गल ने विशिष्ट सभा में भजन गाए।

इस समारोह के भाग के रूप में केवीआईसी 2 से 4 अक्तूबर तक संसदीय सौध में भारतीय स्टेट बैंक के निकट फोयर में तीन दिवसीय प्रदर्शनी और बिक्री केंद्र लगा रहा है जिसमें खादी से बने परिधानों, कपड़े और ग्रामोद्योग उत्पाद की बिक्री कम दरों पर की जाएगी। लोक सभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रियों, संसद सदस्यों और अन्य विशिष्टजनों ने इस प्रदर्शनी को देखा।

श्री बिरला ने आज सुबह भी नई दिल्ली में राजघाट और विजय घाट पर महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को अपनी पुष्पांजलि अर्पित की।